

Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to connect Sambhal via Hasanpur-Gajraula and Chandausi railway junction in Uttar Pradesh.

डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क (सम्भल) : सभापति महोदय, मैं मेरे क्षेत्र सम्भल की रेलवे लाइन को वाया हसनपुर-गजरौला रेलवे मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव काफी मुद्दतों से जेर-ए-गौर है। लेकिन अफसोस इस बात का है कि अभी तक उस पर अमल नहीं हुआ है।

संभल को चंदौसी जंक्शन से भी जोड़ा जाना है। जिस पर सिर्फ 15 से 16 किलोमीटर का रेलवे मार्ग बनना है, जिससे न सिर्फ आवाम, बल्कि रेलवे को भी काफी फायदा होगा। संभल अनाज और आलू की बहुत बड़ी मंडी है। इसके अलावा एशिया की सबसे बड़ी मंडी भी है। हजारों ट्रक माल संभल से दूसरे इलाकों में आता-जाता रहता है और यह हैंडीक्राफ्ट का भी बड़ा सेंटर है। संभल-चंदौसी जंक्शन से जुड़ने पर लखनऊ से भी सीधा जुड़ जाएगा। इस सिलसिले में कई बार केंद्र और राज्य स्तर की मीटिंग रेलवे के आला अफसरान के साथ हो चुकी है। और सदन में भी मैंने कई बार इस मुद्दे पर रोशनी डाली है, लेकिन अफसोस अभी तक कोई कार्यवाई नहीं की गई है, जिसकी वजह से आवाम को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लिहाजा मेरी आपसे पुरजोर गुजारिश है कि पहली फुरसत में संभल को वाया हसनपुर गजरौला रेलवे जंक्शन से जोड़ा जाए और संभल को चंदौसी जंक्शन से जोड़ना भी जरूरी है, जिससे संभल की तरक्की हो सके।

शुक्रिया।

ڈاکٹر شفیق الرحمن برق (سنبلہ) : محترم چیرمین صاحب، میرے پارلیمانی حلقہ سنبلہ کی ریلوے لائن کو وایا حسن پور-گجرولا ریلوے مارگ سے جوڑنے کا پرستاؤ کافی مُدّت سے زیرِ غور ہے۔ لیکن افسوس اس بات کا ہے کہ ابھی تک اس پر عمل نہیں ہوا ہے۔

سنبلہ کو چندوسی جنکشن سے بھی جوڑا جانا ہے۔ جس پر صرف 15 سے 16 کلومیٹر کا ریلوے مارگ بننا ہے، جس سے نہ صرف عوام، بلکہ ریلوے کو بھی کافی فائدہ ہوگا۔ سنبلہ اناج اور آلو کی بہت بڑی منڈی ہے۔ اس کے علاوہ ایشیا کی سب سے بڑی

منڈی بھی ہے۔ ہزاروں ٹرک مال سنبھل سے دوسرے علاقوں میں آتا جاتا رہتا ہے، اور یہ ہینڈی کرافٹ کا بھی بڑا سینٹر ہے۔ سنبھل چندوسی جنکشن سے جڑنے پر لکھنؤ سے بھی سیدھا جڑ جائے گا۔ اس سلسلے میں کئی بار مرکز اور ریاستی سطح پر کئی میٹنگ ریلوے کے اعلیٰ افسران کے ساتھ ہو چکی ہیں۔ اور اس ایوان میں بھی میں نے کئی بار اس مدعہ پر روشنی ڈالی ہے، لیکن افسوس ابھی تک کوئی کارروائی نہیں کی گئی ہے، جس کی وجہ سے عوام کو بے حد پریشانی کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ لہذا میری آپ سے پُر زور گزارش ہے کہ پہلی فرصت میں سنبھل کو وایا حسن پور گجروہ ریلوے جنکشن سے جوڑا جائے اور سنبھل کو چندوسی جنکشن سے جوڑنا بھی ضروری ہے، جس سے سنبھل کی ترقی ہو سکے۔

(شکریہ)